हमारी संस्कृती और खेती

हमारा देश आज बहुत उन्नति प्राप्त कर चुका है, चाहे वो वैज्ञानिक क्षेत्र में हो या प्रौद्योगिक क्षेत्र में दोनों में ही हम किसी देश से कम नहीं है। हमारे संस्कार भी दूसरे देशों से बहुत अलग है। हमारी संस्कृती का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है हमारे खेत। भारत को आर्थिक स्थिती मे विकास होने का एक कारण है हमारे किसान और उनके खेत। इसलिए खेती हमारेलिए बहुत ही अवश्यक है।

संस्कारी लोगों का देश था भारत लेकिन अफसोस की हमारे लोग आज अपने संस्कारों को भूल रहे है। बीतते समय के साथ लोग खेती छोडकर दूसरे कामों मे ध्यान दे रहे है। वे भूल रहे है कि खेती से हि वे सब यहाँ तक पहुँचे है और खेती करके ही हमारे दादा परदादाओं ने अपना जीवन गुसारते थीं एक समय था जब लोग खेती को बहुत महत्व दिया करते थे। भारत मे उस समय ज्यादातर लोग किसान थे। खेती ही

उनकेलिए सबकुछ थी। वे बहुत मेहनती भी थे। वे सुबह-सुबह अपने खेत मे जाते और वहाँ बिना रुके शाम तक महनत करके अपनी छोटी सी झोंपडी मे सो जातें थे। खेती करके हि वे अपने परिवार का पालन पोशण करते थे। लेकिन, अब ज़माना बदल गया है। अब देश मे किसानों की संख्या कम है। लोग अब आसान काम खोज रहे हैं जिसमे उन्हे अच्छा खासा धन भी मिलता हो। लोग अब महनत करके धन कमाना हि नही चाहते। हमारे लोग अब आलसी होतें जा रहे हैं।

भारत अब भारत नही रहा। यहाँ किसानों की इज्जत कि जाती थी, यहाँ किसानों को खेती करने कि अच्छी सुविधाए मिलती थी लेकिन भ्रष्टाचारि सरकार ने सबकुछ बदल दिया। जहाँ एक अमीर आदमी ने दस करोड़ का ~~'लोण'~~ ~~लिया~~ करज़ा लिया हो और उसे न चुकाया हो तब भी उसके करज़े माफ करदेते हैं और उसके ऐसा करने पर कोई कुछ भी नही कहता पर अगर उस अमीर आदमी की जगह

एक गरीब किसान हुआ तो बैंक वाले उसका जीना हराम कर देते हैं, उसका सबकुछ उससे छीन लिया जाता है। अपना सब कुछ छिन जाने केबाद उस किसान के सामने आत्महत्य करने के अलावा और कोई रास्था नही होता। देश मे इस कारण से लाखों किसान अपनी जान दे चुके हैं। उनको कोई पूछता तक नही। उन्हे अच्छी सुविधाए मिलनी चाहिए आज हम भूखे नही रह रहे क्योंकि उन किसानों ने खुद भूका रहकर हमारी भूख मिटाने है। अगर उन्होंने खेती करना बंद कर दिया तो हम भूके मर जाएंगे इसलिए हमें खेती को बढावा देना चाहिए।

खेती से भारत को बहुत लाभ होता है। खेती हमारी आर्थिक स्थिती अच्छी करती लेकिन अगर खेती नही होगी तो क्या होगा ? यह हम सबको सोचनी चाहिए। बहुत सी ऐसी चीज़े है जो पहले बहुत कम दाम मे बिका करता था और आज उसके दाम बहुत बढ चुके है। इसका कारण है,

खेतों की बरबादी। आज प्याज़ और टमाटर जैसी सब्ज़ियों की खेती कम हो रही है और इसका दाम बढ़ता ही जा रहा है। खेतों मे अब फसल पहले जैसी नही उग रही है क्योंकि हमारी मिट्टी दुशित हो चुकी है और इनसानों की बुरी प्रवृत्तियों के कारण मौसम मे बदलाव आ रहा है।जहाँ बारिश होना था वहाँ अगर धूप हो तो जिस फसल को बारिश चाहिए होनी है वह फसल बरबाद हो जाएगा। एक किसान को अच्छी तरह से पता होना है कि कौनसे मौसम मे कौनसी फसल उगानी ~~है लेकिन~~ है और उसे यह भी पता है कि कौनसा मौसम कब आएगा लेकिन अगर मौसम मे बदलाव आएगा तो किसान की सारी महनत व्यर्थ हो जाएगी। जलाशयों मे प्लास्टिक छोड़ना और फाक्टरियों का मलीन जल जलाशयों पर जा गिरना आदी से तेज़ाब की बारिश होने की संभावना है जिससे मिट्टी और फसल दोनों ~~खराब~~ ही बरबाद हो जाएगी।

मिट्टी मे तेज़ाब की मात्रा ज्यादा होने के कारण वह मिट्टी फसल उगाने के लायक नहीं रहेगी। जिससे खेती कम होगी।

खेती हमारी संस्कृति का हिस्सा है। हमारे किसान दिन-रात मेहनत करके अच्छी भवश्य वस्तुए हम तक पहुँचाते है। हमारे किसान देश के जवानों की तरह है। जिस तरह ~~जैसे~~ एक जवान ~~अपना~~ हमारे देश कि रक्षा करता है उसी तरह एक किसान हमारी संस्कृति और हमारे ~~फसल~~ अन्न कि रक्षा करता है। इसलिए जिस तरह हम एक जवान का सम्मान करते है उसी तरह हमें एक किसान का भी भी सम्मान करनी चाहिए।
हमारे किसान हमारे देश की शान है।
इसलिए हम सब को एक साथ बोलना चाहिए "जय जवान जय किसान"।"